स्व0 मा0 सदस्य श्री प्रकाश पन्त का जीवन परिचय

जन्म – 11 नवम्बर, 1960

जन्म स्थान – पिथौरागढ़

पिता – श्री मोहन चन्द्र पन्त

माता – श्रीमती कमला पन्त

पत्नी – श्रीमती चन्द्रा पन्त

शिक्षा – स्नातक, डिप्लोमा इन फार्मेसी

व्यवसाय – चिकित्सा, साहित्य, समाज सेवा

कृतत्व–

– वर्ष 1977 : रा0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय पिथौरागढ़ में सैन्य विज्ञान परिषद् में महासचिव

– वर्ष 1980–1984 : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देवत एवं जिला अस्पताल पिथौरागढ़ में राजकीय सेवा में कार्यरत

– वर्ष 1988 : नगरपालिका परिषद् पिथौरागढ़ में सभासद निर्वाचित

– वर्ष 2013 से 2015 : प्रदेश महामन्त्री भा0ज0पा0।

विधायी यात्रा– वर्ष 1998 में उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित

– वर्ष 2002, 2007 व 2014 के आम चुनाव में उत्तराखण्ड विधान सभा के सदस्य निर्वाचित

– नवगठित राज्य उत्तराखण्ड की अनन्तिम विधान सभा के अध्यक्ष रहे।

– कॉमनवैल्थ देशों में सबसे कम उम्र में विधान सभा अध्यक्ष निर्वाचित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

– उत्तराखण्ड विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे।

– वर्ष 2007 में उत्तराखण्ड सरकार में विधायी एवं संसदीय कार्य,

पेयजल, श्रम, नियोजन, पुनर्गठन, निर्वाचन एवं बाह्य परियोजना सम्बन्धी मंत्री रहे।

– वर्तमान उत्तराखण्ड सरकार में विधायी एवं संसदीय कार्य, भाषा, वित्त, आबकारी, पेयजल एवं स्वच्छता, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री

विशेष अभिरूचि– साहित्य, समाज सेवा, अध्ययन तथा शूटिंग

वर्तमान में एल0एल0बी0 की पढ़ाई कर रहे थे।

उपलब्धियां– कविता संग्रह : एक आवाज, प्रारब्ध

– कहानी संग्रह : एक थी कुसुम

– यात्रा वृत्तांतः मेरी आदि कैलाश यात्रा

– भाषण व निबन्ध संग्रह : लक्ष्य

– राष्ट्रीय निशानेबाजी में रजत पदक (जी0 बी0 मावलंकर शूटिंग प्रतियोगिता 2004)

– राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक वर्ष 2004

विदेश यात्राएं– चीन, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, मलेशिया, कनाडा, दुबई, इंग्लैड, जर्मनी तथा फ्रान्स।

देहावसान– 05 जून, 2019 को अमेरिका में निधन।

परिवार– माता, पिता, पत्नी तथा एक पुत्र व दो पुत्रियां।

श्री प्रकाश पन्त का जन्म 11 नवम्बर, 1960 को पिथौरागढ़ में हुआ। श्री प्रकाश पन्त जी का स्थाई निवास ग्राम खडकोट, (पिथौरागढ) व जिला पिथौरागढ़ है। उनके पिता का नाम श्री मोहन चन्द्र पन्त तथा माता का नाम श्रीमती कमला पन्त है। उन्होने प्रारम्भिक शिक्षा जनपद चम्पावत में तथा माध्यमिक/उच्चत्तर माध्यमिक शिक्षा मिशन इण्टर कॉलेज पिथौरागढ़ में की। उन्होने फार्मेसी में डिप्लोमा एवं स्नातक तक की शिक्षा ली। वर्तमान में एल0 एलबी0 की पढ़ाई कर रहे थे। प्रकाश जी का विवाह 26 मई, 1989 में श्रीमती चन्द्रा पन्त से हुआ।

युवावस्था से ही वह समाज के दबे कुचले, शोषित, वंचित वर्ग के कल्याण के लिए सक्रिय हो गये थे। उन्होंने वर्ष 1980 से 1984 तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देवत एवं जिला अस्पताल पिथौरागढ़ में राजकीय सेवा की। समाज सेवा से प्रेरित होकर उन्होंने पद से त्याग पत्र देकर समाज के मध्य स्वयं को समर्पित कर दिया तथा वर्ष 1984 में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

वह वर्ष 1988 में नगरपालिका परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुए। पन्त जी वर्ष 1998 में प्रथम बार उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 2000 में हमारे राज्य के गठन के पश्चात् गठित अनन्तिम विधान सभा में उनको उत्तराखण्ड विधान सभा के अध्यक्ष चुने जाने का गौरव प्राप्त हुआ। भारत के गौरव पं0 दीन दयाल उपाध्याय को अपना आदर्श मानने वाल पंत जी ने युवावस्था में ही उत्तराखण्ड की अनन्तिम विधान सभा के अध्यक्ष का दायित्व बखूबी संभाला तथा प्रदेश विधान सभा में स्वस्थ संसदीय परंपराओं की नींव डाली।

श्री पन्त वर्ष 2002, 2007 तथा इस बार पुनः वर्ष 2017 में उत्तराखण्ड विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। उन्होंने वर्ष 2007 में उत्तराखण्ड सरकार में विधायी एवं संसदीय कार्य, पेयजल, श्रम, नियोजन, पुनर्गठन, निर्वाचन एवं बाह्य परियोजना सम्बन्धी मंत्री का कार्यभार संभाला। समय–समय पर उत्तराखण्ड विधान सभा की विभिन्न समितियों के भी सदस्य भी रहे।

उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार में विधायी एवं संसदीय कार्य, भाषा, वित्त, आबकारी, पेयजल एवं स्वच्छता, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री के पद पर रहते हुए अपने दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया तथा एक मंत्री व जनप्रतिनिधि के रूप में प्रदेश के विकास को नई दिशा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संसदीय कार्य के अपने कौशल और चातुर्य के लिए उन्हें सदन के सभी सदस्यों का आदर–सम्मान प्राप्त किया।

शान्त, सौम्य और सरल व्यक्तित्व के धनी पन्त जी के मुख मंडल पर एक हल्की मुस्कान सदैव बनी रहती थी। एक लोकप्रिय जननेता होने के साथ वह एक प्रतिभाशाली साहित्यकार भी थे। उनके कविता संग्रह एक आवाज, प्रारब्ध, कहानी संग्रह–एक थी कुसुम, यात्रा वृत्तांत–''मेरी आदि कैलाश यात्रा'' तथा निबन्ध संग्रह 'लक्ष्य' उत्कृष्ठ कोटि की रचनाएं हैं।

उनकी जीवन पर्यन्त अध्ययन में रूचि रही। अन्तिम समय में भी वह एल0एलबी0 की पढ़ाई कर रहे थे। इसके साथ ही वह अच्छे निशानेबाज भी थे एवं शूटिंग में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक भी जीते।

श्री प्रकाश पन्त जी ने गंभीर बीमारी से लड़ते हुए दिनांक 05 जून, 2019 को अमेरिका में इलाज के दौरान अन्तिम सांस ली। उनके परिवार में उनके माता, पिता, पत्नी तथा एक पुत्र व दो पुत्रियां है। अत्यंत शालीन स्वभाव के श्री पन्त का राजनैतिक व सामाजिक क्षेत्र में बहुत ही उच्च स्थान था। उनके असामयिक निधन से हुई अपूरर्णीय क्षति से संपूर्ण प्रदेश आहत व शोकमग्न है। श्री प्रकाश पन्त जी के असमय हमे छोड़कर चले जाने से प्रदेश की अपूर्णीय क्षति हुई है।

मैं उनके परिजनों को सदन की ओर से शोक संवेदना प्रेषित करता हूॅ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूॅ कि वह शोक संतप्त परिवार को इस दुख से उबरने हेतु बल प्रदान करे।

मैं इस सम्मानित सदन की भावनायें एवं शोक संवेदनायें श्री प्रकाश पन्त जी के परिजनों तक पहुँचा दूँगा।

(दो मिनट का मौन)